आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक:-प्रतिदिन

दैनिक समाचार–पत्र

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 9 • अंक-2300 • उदयपुर, रविवार 11 अपेल, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

समाचार–जगत्
सकारात्मक व जनहितार्थ खबरें

सेवा–जगत्
दिव्यांगों को समर्पित आपका अपना सेवा संस्थान

रामजी के मंदिर के लिए भरतपुर से आयेंगे गुलाबी पत्थर

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण में काम आने वाले भरतपुर के पिंक स्टोन (गुलाबी पत्थर) खनन क्षेत्र को बंशी पहाड़ीपुर वन एवं बन्धवारैठा वन्यजीव अभ्यारण्य क्षेत्र से बाहर निकालने के लिए राज्य सरकार की ओर से हाल ही भेजे गए प्रस्ताव को केन्द्र सरकार ने हरी झण्डी दे दी है।

अभयारण्य क्षेत्र में 28 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को बाहर निकाला जाएगा। इसकी एवज में दूसरी ओर 198 वर्ग किलोमीटर नया क्षेत्र शामिल किया जाएगा। हालांकि प्रक्रिया में समय लगेगा लेकिन उसके बाद राज्य का खान विभाग पिंक स्टोन खनन क्षेत्र में खानों का आवंटन करेगा।

अनुमति फिर भी जरूरी

सूत्रों की माने तो बंशी पहाड़पुर के पिंक स्टोन खनन क्षेत्र के अभ्यारण्य क्षेत्र से बाहर होने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद खान विभाग खानों का आवंटन

करेगा। लेकिन खनन शुरू करने से पहले लीज होल्डर को वन विभाग से भी मंजूरी लेनी होगी।

पत्थर की खासियत

बंशी पहाड़पुर की पहाड़ियों में निकलने वाला पिंक स्टोन मजबूत और आकर्षक है। ऐसा पत्थर अन्य किसी प्रदेश में नहीं है। यह अयोध्या में राम मंदिर सहित अन्य कई मंदिरों में उपयोग हो चुका है। दिल्ली के लाल किले सहित अन्य कई इमारतो में भी यह उपयोग में लिया जा चुका है। खासियत यह भी बताई जाती है कि पानी के साथ इसमें और ज्यादा निखार आता है।

25 साल पहले खनन बंद

बंशी पहाड़पुर में पिंक सेण्डस्टोन की खानें 1996 तक संचालित थी लेकिन इस क्षेत्र को वन अभ्यारण्य में मानते हुए 12 दिसंबर 1996 को रोक लगा दी गई थी। इसके बाद खनन विभाग ने सभी खान लीजों को निरस्त कर दिया था ।

कलक्टर ने तैयार कराया प्रस्ताव

राज्य सरकार ने इस क्षेत्र को अभयारण्य से बाहर निकालने का प्रस्ताव जिला कलक्टर के जरिए मंगाया, जिसे स्टेट वाइल्ड लाइफबोर्ड ने मंजूरी दे दी। बाद में इसे पर्यावरण मंत्रालय को भेजा गया।

अंतहीन संभावनायें – दिव्यांगता मिटाने के लिये विभिन्नआयाम
WORLD OF HUMANITY का निर्माण प्रगति पर.....

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता मिटाने के विभिन्न आयाम

चिकित्सा
- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलीपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन
- हस्तकला या शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- डिजिटल (कंप्यूटर) प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन मरम्मत प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजीटल स्कूल)

सशक्तिकरण
- दिव्यांग शादी समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमीनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं
- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- वस्त्र और कंबल वितरण
- दवा वितरण

○ 450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल ○ 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
○ निःशुल्क शल्य चिकित्सा, जांचें, ओपीडी ○ निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

○ प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय
○ व्यावसायिक प्रशिक्षण ○ बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर ○ रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें मो नं. : +91-294-6622222 वाट्सअप : +91-7023509999

गुजरात में पुरातत्व नगरी : प्रधानमंत्री के गृहनगर में मिला 2000 वर्ष पुराना किला

गुजरात के महेसाणा के वडनगर में पुरातत्व विभाग की खुदाई के दौरान दूसरी सदी मे अवशेष मिले है। इसमें दो हजार वर्ष पुराना 12 से 14 मीटर लंबा किला, दीवार व मकान के अवशेष मिले है। इसके अलावा शंख की कलात्मक चूड़ियां, चांदी, तांबा–पीतल के सिक्के, मिट्टी के बर्तन भी मिले है। अब तक यहां सैकड़ो वर्ष पुरानी चीजें व आवासीय अवशेष मिल चुके है। 50 मीटर परकोटे की खुदाई हो चुकी हैं। अभी 200 मीटर परकोटे की खुदाई–सफाई चल रही है।

इस क्षेत्र से एक हजार वर्ष पुराने अवशेष भी मिले है। जानकारों का मानना है कि यहां कोई सभ्यता विकसित हुई होगी। वैसे वड़नगर हड़प्पा सभ्यता के पुरातत्व स्थलों में से एक है।

पुरातत्ववेत्ताओं का यह भी मानना है कि 16वी सदी में जब पश्चिमी देशों से लोग भारत आए तो वड़नगर की संपदा का इस्तेमाल करने लगे। अग्रेंजो ने यहां भी रेल की पटरियां बिछाई थी।

मानवीय सेवा हेतु करें सहयोग
दानदाताओं के सम्मान में

वक्ष प्रतिमा
अस्पताल में प्रवेश पर

डायमण्ड ईंट
सौजन्य दाता

- टीवी चैनलों पर 3 मिनट की प्रोफाइल प्रसारित की जायेगी।
- नारायण सेवा की मासिक पत्रिका में एक पृष्ठ रंगीन प्रकाशित होगा। पत्रिका (10 लाख प्रति)।
- सेवा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्वागत।
- 3 कृत्रिम अंग एवं चिकित्सा शिविर का सौजन्य लाभ मिलेगा।
- 4000 पेशेन्ट तक भोजन पहुंचाने का पुण्य मिलेगा।
- जन्मदिन और सालगिरह का उत्सव दिव्यांगों के साथ मनाएं।
- प्रतिदिन दाता और उसके परिवार के लिए 4000 रोगीजन करेंगे कुशल क्षेम की प्रार्थना।

थ्रीडी फ्रेम
अस्पताल में प्रवेश पर

प्लेटिनम ईंट
सौजन्य दाता

- टीवी चैनलों पर 2 मिनट की प्रोफाइल प्रसारित की जायेगी।
- नारायण सेवा की मासिक पत्रिका में आधा पृष्ठ रंगीन प्रकाशित होगा। पत्रिका (10 लाख प्रति)।
- सेवा समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में स्वागत।
- आपश्री को 2 कृत्रिम अंग एवं चिकित्सा शिविरों में सम्मानित किया जायेगा।
- 15 दिनों में 4000 रोगी तक भोजन पहुंचाने का पुण्य मिलेगा।
- जन्मदिन और सालगिरह का उत्सव दिव्यांगों के साथ मनाएं।
- प्रतिदिन दाता और उसके परिवार के लिए 4000 रोगीजन करेंगे कुशल क्षेम की प्रार्थना।

मानवीय सेवा हेतु करें सहयोग

फोटो फ्रेम
अस्पताल में प्रवेश पर

स्वर्ण ईंट
सौजन्य दाता

- टीवी चैनलों पर 1 मिनट की प्रोफाइल प्रसारित की जायेगी।
- नारायण सेवा की मासिक पत्रिका में क्वाटर पेज रंगीन प्रकाशित होगा। पत्रिका (10 लाख प्रति)।
- सेवा समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वागत।
- आपश्री को शिविरों में सम्मानित किया जायेगा।
- 7 दिन तक रोगी एवं परिचारकों को भोजन खिलाने का पुण्य मिलेगा।
- जन्मदिन और सालगिरह का उत्सव दिव्यांगों के साथ मनाएं।
- प्रतिदिन दाता और उसके परिवार के लिए 4000 रोगीजन करेंगे कुशल क्षेम की प्रार्थना।

पट्टिका पर नाम
अस्पताल में चिल्ड्रन वार्ड

रजत ईंट
सौजन्य दाता

- सेवा कार्यक्रमों में विशिष्ट अतिथि के रूप में स्वागत।
- दानदाता को रोगियों का 3 दिन भोजन खिलाने का पुण्य मिलेगा।
- जन्मदिन और सालगिरह का उत्सव दिव्यांगों के साथ मनाएं।
- आपश्री और आपके परिवार के लिए हर दिन होगी प्रार्थना।

मानवीय सेवा हेतु करें सहयोग
दानदाताओं के सम्मान में

पट्टिका पर नाम होगा
रोगी बेड पर

ताम्र ईंट
सौजन्य दाता

- सेवा समारोह में 'अतिथि' के रू
- दानदाता को 1 दिन का भोजन खिलाने का पुण्य दिया जाएगा।
- 5 साल तक जन्मदिन और सालगिरह का उत्सव मनाएं संस्थान में।
- 4000 रोगियों और परिचारकों द्वारा डोनर और उनके परिवार के लिए हर दिन होगी प्रार्थना।

मानवता की दीवार पर
प्रवेश लॉबी

पुण्य ईंट
सौजन्य दाता

- सेवा समारोह में 'अतिथि' के रूप में सम्मान।
- दानदाता को 1 दिन का भोजन खिलाने का पुण्य मिलेगा 500 रोगियों और परिचारकों के लिए।
- 2 साल के लिए जन्मदिन और शादी की सालगिरह का उत्सव मनाएं संस्थान में।
- 4000 रोगियों और परिचारकों द्वारा दानदाता और उनके परिवार के लिए हर दिन होगी प्रार्थना।

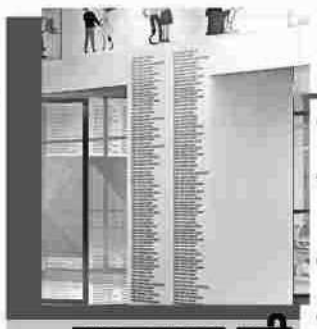

मानवता की दीवार पर
नाम इमारत में

सेवा ईंट
सौजन्य दाता

- सेवा समारोह में 'अतिथि' के रूप में सम्मान।
- दानदाता को 200 मरीजों और परिचारकों को भोजन 1 समय खिलाने का पुण्य मिलेगा।
- 1 वर्ष जन्मदिन और सालगिरह का उत्सव मनाएं संस्थान में।
- 4000 रोगियों और परिचारकों द्वारा दानदाता और उनके परिवार के लिए हर दिन होगी प्रार्थना।

करूणा भाव से स्वागत करें।

मानवता ईंट
सौजन्य दाता

- सेवा समारोह में 'अतिथि' के रूप में सम्मान।
- दानदाता को 50 रोगियों और परिचारकों को 1 दिन का भोजन खिलाने का पुण्य मिलेगा।
- 4000 रोगियों और परिचारकों द्वारा डोनर और उनके परिवार के लिए कुशलक्षेम की प्रार्थना करवाई जायेगी।

सम्पादकीय

प्रेम एक विराट अनुभूति है। हम इसे सीमित करने के लिए तत्पर हैं। प्रेम यानी समर्पण तथा सद्भाव की पराकाष्ठा। प्रेम के लिए न कोई पात्रता चाहिए और न क्षमता। यदि ऐसा होता तो परमात्मा प्रत्येक जीव से प्रेम कैसे करता? परमात्मा ने हरेक प्राणी को प्रेम की अनुभूति करने का सामर्थ्य दिया है पर अभिव्यक्त करने की कम प्राणियों को ही दक्षता दी है। अल्प विकसित प्राणी संकेतों से, अपने क्रियाकलापों से इस प्रेम को अभिव्यक्त कर सकते हैं। पर मनुष्य को परमात्मा ने प्रेम को अभिव्यक्त करने की पूर्ण क्षमता दी है। वह संकेतों से, क्रियाओं से, भावों से, दुआओं से तथा और भी अनेक प्रकारों से प्रेम को अभिव्यक्त कर सकता है। पर हम मनुष्य भी प्रेम को चराचर के प्रति अभिव्यक्त न करके सीमित मामलों में ही अभिव्यक्त करने के आदी हो गए हैं। इसलिए विश्व का कल्याण हो की भावना कमजोर हो गई है। जैसे–जैसे हमारे प्रेम का दायरा विस्तार पायेगा, वैसे–वैसे सर्वे भवंतु सुखिन' का भाव साकार होने लगेगा। परमात्मा को भी प्रसन्नता होगी कि मानव मेरे द्वारा निदर्शित उद्देश्यों को समझ गया है। तो क्यों न हम प्रभु की दृष्टि में समझदार बनें।

कुछ काव्यमय

सारे जीवन जतन कर,
पाये क्या इंसान ?
ना तो यह दुनिया सधी,
ना पाया भगवान।
उधेड़बुन में जा रही,
जीवन की ये नाव।
ज्यों–ज्यों इसको खे रहे,
आता क्यों बिखराव।।
हमने सोचा जगत में,
कुछ पाना ही काम।
इसी गलतफहमी भरा,
जीवन गया तमाम।।
प्रभु को पहचाना नहीं,
ना समझे संकेत।
स्वारथ या परमार्थ का,
उपजा नाहीं चेत।।
तो क्या बिरथा जनम है,
प्रभु ने दिया धराय।
सच्ची शरणागति लहे,
जनम सफल हो जाय।।

- वरदीचन्द राव, अतिथि सम्पादक

भद्रहास्य

लड़का, लडकी से– हर संडे के दिन आपके चेहरे पर रंग क्यों लगा होता है।

लडकी–अरे मैं हर संडे होली खेलती हूँ।

लड़का – क्यों ?

लड़की–अरे हमारे स्कूल में टीचर ने बताया है कि Sunday मतलब Holiday

******

होली पर पटाखे हुए बैन
अधिकारी – पटाखों से
प्रदूषण हो रहा है।
मै–अगर पटाखों से प्रदूषण होता है।
तो आग लगा दो ऐसे पटाखों को ।

गरीब की रसोई में पहुंचाया राशन

संस्थान शाखा पटना में 45 गरीब परिवारों को राशन वितरण

नारायण सेवा संस्थान कोरोना के कारण लगे लॉकडाऊन, बाद में अनलॉक व इसके बाद महामारी के चलते बेरोजगार हुए गरीब कामगारों को निःशुल्क राशन का वितरण कर रहा है। इसमें असहाय, दिव्यांग भी शामिल हैं। संस्थान मुख्यालय उदयपुर के तत्वावधान में विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों में तथा देशभर के विभिन्न शाखाओं द्वारा निःशुल्क राशन किट वितरण कर रहे हैं। 50000 परिवारों को राशन निःशुल्क दिया जाने का संकल्प है। इसके तहत् पटना के 45 परिवारों को निःशुल्क राशन दिया गया।

शिविर प्रभारी संदीप जी भटनागर एवं मुख्य अतिथि श्री संजीव जी चौरसिया विधायक महोदय दीघा, विशिष्ट अतिथि श्री राहुल जी रंजन महामंत्री, विशिष्ट अतिथि श्री अशोक सिंघानीया, श्री रोशन जी श्रीवास्तव, श्रीप्रभात जी झा. श्री विशाल जी कई समाजसेवी महानुभाव उपस्थित थे। गणमान्य अतिथियों ने जरुरतमंद गरीब परिवारों को राशन किट बांटे। प्रत्येक किट में 20 किलो आटा, 5 किलो दाल, 5 किलो चावल,2 किलो तेल, 2 किलो शक्कर व 2 किलो नमक आदि साम्रगी थी। पूरी टीम ने चयनित परिवारों को राशन वितरण में सहयोग प्रदान किया।

संस्थान द्वारा कोलकाता में राशन किट वितरित

जरूरतमंदों की सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है, क्योंकि इससे आत्मिक खुशी का अनुभव होता है, नर को नारायण का स्वरूप मानते हुए असहाय, दिव्यांग,मूक बधिर एवं कोरोना महामारी के चलते बेरोजगार हुए गरीब कामगारों को स्वामी विवेकानंद स्कूल 24 परगना, कोलकाता में संस्थान द्वारा 93 जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरण किये गये। शिविर में मुख्य अतिथि श्रीमान राजेन्द्र जी गुप्ता एवं श्रीमान् धनसेन जी गुप्ता, श्रीपूर्णददास जी गुप्ता, देव्रतदास जी, श्रीमान सोमेनसेन गुप्ता आदि कई महानुभाव उपस्थित थे। प्रत्येक किट में 20 किलो आटा, 5 किलो दाल, 5 किलो चावल, 2 किलो तेल, 2 किलो शक्कर व 2 किलो नमक आदि सामग्री थी।

शिविर में श्रीमान् सुरजीत जी चक्रवर्ती, श्रीमान् विकास जी राय, श्रीमान् जोगेश जी माली, श्रीमान आलोक दास जी आदि ने चयनित परिवारों को राशन वितरण में सहयोग प्रदान किया।

संस्थान द्वारा भुवनेश्वर में 75 गरीब परिवारों को राशन वितरण

नर को नारायण का स्वरूप मानते हुए असहाय, दिव्यांग, मूक बधिर एवं कोरोना महामारी के चलते बेरोजगार हुए गरीब कामगारों को भुवनेश्वर में निःशुल्क राशन का वितरण किया गया। शिविर प्रभारी लालसिंह जी भाटी ने बताया कि संस्थान मुख्यालय उदयपुर के तत्वावधान में विभिन्न आदिवासी क्षेत्रों में तथा देशभर के विभिन्न शाखाओं द्वारा निःशुल्क राशन किट वितरण कर रहे हैं। 50000 परिवारों को राशन निःशुल्क दिया जाने का संकल्प है। इसके तहत् भुवनेश्वर के 75 परिवारों को निःशुल्क राशन दिया गया। स्थानीय सहयोगकर्ता श्रीसरतचंद्रदास जी ओड़िसा एसोसिएशन फॉर द ब्लाइड भुवनेश्वर। शिविर में मुख्य अतिथि श्री सरत चंद दास जी सचिव, विशिष्ट अतिथि श्रीमान बीरनायक जी, श्रीमान कपिलजी, श्रीमान हिमांशुजी शेखर सहित कई गणमान्य मेहमान उपस्थित थे।

गणमान्य अतिथियों ने जरुरतमंद गरीब परिवारों को राशन किट बांटे। प्रत्येक किट में 20 किलो आटा, 5 किलो दाल, 5 किलो चावल, 2 किलो तेल, 2 किलो शक्कर व 2 किलो नमक आदि सामग्री थी। शिविर में संस्थान की टीम ने चयनित परिवारों को राशन वितरण में सहयोग प्रदान किया।

संस्थान द्वारा बिलासपुर में राशन किट वितरित

जरूरतमंदों की सेवा से बढ़कर कोई कार्य नहीं है, क्योंकि इससे आत्मिक खुशी का अनुभव होता हैं। नर को नारायण का स्वरूप मानते हुए असहाय, दिव्यांग,मूक बधिर एवं कोरोना महामारी के चलते बेरोजगार हुए गरीब कामगारों को सामुदायिक भवन शांति नगर, बिलासपुर में संस्थान शाखा द्वारा 70 जरूरतमंद परिवारों को राशन किट वितरण किये गये। शिविर में मुख्य अतिथि श्रीमान श्री एस.के. मिश्रा जी, फुड्स ऑफीसर, श्री टी. आर.अग्रवाल जी, श्री उत्तम जी अग्रवाल, श्री राजेश जी सिंहल, श्री अविनाश जी वर्मा, श्री गौरव जी गुप्ता आदि कई समाजसेवी उपस्थित थे। दिये गये प्रत्येक किट में 20 किलो आटा, 5 किलो दाल, 5 किलो चावल, 2 किलो तेल, 2 किलो शक्कर व 2 किलो नमक आदि सामग्री थी। शिविर में श्रीमान् योगेश जी गुप्ता (शाखा संयोजक) लाल सिंह जी भाटी आदि ने चयनित परिवारों को राशन वितरण में सहयोग प्रदान किया।

गजरौला (उतरप्रदेश) गरीब परिवारों को वितरित किये राशन किट

नारायण सेवा संस्थान ने गरीब 46 परिवारों को राशन वितरित किया गया। स्थानीय समिति के द्वारा गरीब परिवारों को शिविर लगाकर यह सामग्री वितरित की जाती है। इसी क्रम में रविवार को हाईवे किनारे जुबिलेट भरतिया ग्राम मेडिकल सेंटर परिसर में शिविर लगाकर यहां पहुंचे गरीब परिवारों के 46 लोगों को राशन किट वितरित की गई। इस मौके पर संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि शिविर में मुख्य अतिथि सुनील जी दीक्षित, डॉ. आशुतोष भूषण जी शर्मा, कैलाश जी जोशी, पंकज जी गुप्ता, राजीव जी राणा, नितिन जी राय इत्यादि मौजूद रहे। स्थानीय सहयोगकर्ता श्री अजय कुमार जी शर्मा ने बताया किट में 15 किलो आटा, दो किलो दाल, पांच किलो चावल, दो किलो तेल, एक किलो शक्कर व एक किलो नमक है। संस्थान यह कार्य गरीब, कमजोर, दिव्यांग परिवारों की मदद के उद्देश्य से करती है।

एंटी ऑक्सीडेंटस का उत्तम स्रोत है चाय

यू.एस. डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर एंड हयूमन न्यट्रीशनल रिसर्च के विशेषज्ञों द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार चाय एंटी ऑक्सीडेंटस का उत्तम स्रोत है। जिससे बहुत से स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं। हरी और काली चाय में पाया जाने वाला पॉलीफीनोल अन्य किसी एंटी ऑक्सीडेंटस की तरह शरीर के सेल्स को सुरक्षा प्रदान करता है।

इस शोध मे यह भी पाया गया है कि चाय में मौजूद एंटी ऑक्सीडेंटस की क्षमता फलों व सब्जियों की तुलना में अधिक होती है। एक संतरे के रस के कप में पायी जाने वाली एंटी ऑक्सीडेंटस क्षमता की तुलना में यह क्षमता एक कप चाय में 400 प्रतिशत अधिक होती है।

काली चाय में पाए जाने वाले एंटी ऑक्सीडेंटस एल.डी.एल. कोलेस्ट्रोल के आक्सीकरण को रोकते हैं। यह आक्सीकरण को रोकते हैं। यह ऑक्सीकरण आर्थोक्लोरोसिस की संभावना को बढ़ाता है। यही नहीं, चाय पीने वाले व्यक्तियों में हृदय रोगों की संभावना भी कम पायी जाती है। हरी चाय कई सक्रांमक बीमारियों जैसे पेचिश, सिरदर्द और हाइपरटेंशन में भी लाभप्रद है। नियमित चाय का सेवन करने फेफड़ो, प्रैक्रियास, प्रोस्टेट और कोलोन कैंसर की संभावना को कम करता है।

बोध कथा

एक कोयल आम के पेड़ पर बैठी थी। उधर से एक कौआ तेज रफ्तार से उड़कर जा रहा था। कोयल ने पूछा –'भैया ! कहां भाग रहे हो?' कौआ बोला– 'बहीन! इस देश को छोड़कर विदेश जा रहा हूं, क्योंकि यहां मेरा सम्मान है। जहां जाकर बैठता हूं, वहां से उड़ा दिया जाता हूं। सर्वत्र यह अपमान मुझे सहन करना पड़ता है' कोयल बोली– भैया! स्थान को बदलने से क्या होगा? तुमने 'कांव', 'कांव' करना छोड़ा या नहीं? इसे बदले बिना कुछ नहीं होगा। तुम चाहे विदेश में चले जाओ, वहां भी तुम उड़ा दिए जाओगे।' स्थान परिवर्तन से कुछ नहीं होता, स्वभाव और वाणी को बदलने से ही सम्मान मिल सकता है।

प्रेरक प्रसंग

संत डायोगनिज के पास एक व्यक्ति ने आकर पूछा –मैं धर्म की परिभाषा जानना चाहता हूं। डायोगनिज ने कहा –अभी तो मैं व्यस्त हूं। तुम अपना ठिकाना बता दो, मैं धर्म की परिभाषा लिखकर भेज दूंगा। उसने अपना पता लिखा दिया। संत ने पूछा–क्या तुम वहां सदा रहते हो? उसने कहा–यदा–कदा बाहर चला जाता हूं। संत ने कहा– तुम अपना स्थायी पता बताओ। उसने कहा – अमुक दिनों में वहां रहता हूं, अमुक दिनों में वहां रहता हूं। संत ने कहा–स्थायी पता बताओ। वह व्यक्ति 'स्थायी पता' 'स्थायी पता', सुनकर तमतमा उठा। वह क्रोध में अपनी ही छाती पर आनन्द केन्द्र पर, मुक्का मारते हुए बोला–यहां रहता हूं। यह है मेरा स्थायी पता। संत ने कहा–यहां रहना ही धर्म हैं यही है धर्म की परिभाषा। यहां से बाहर जाना अधर्म है।

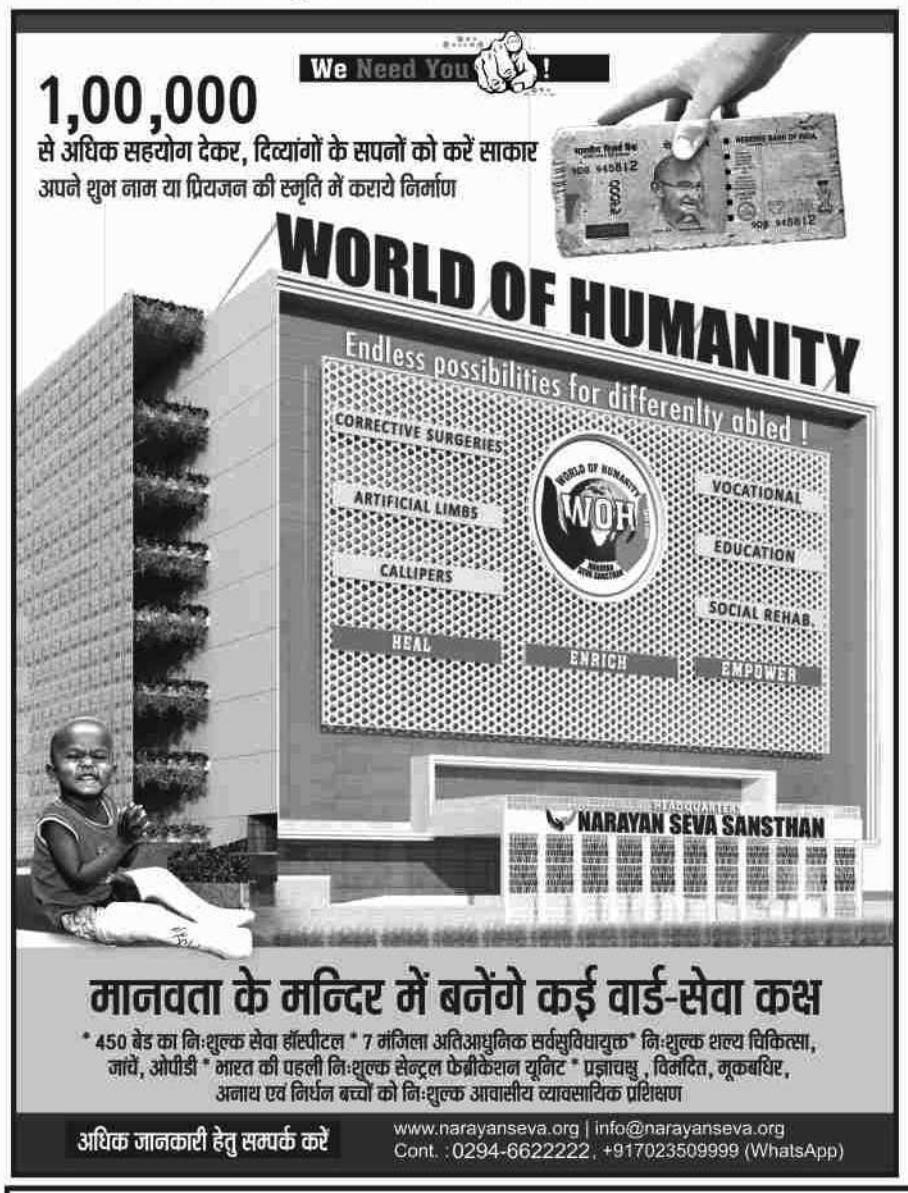

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टेन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

'मन के जीते जीत सदा' दैनिक समाचार-पत्र अब ऑनलाईन साईट पर भी उपलब्ध है
www.narayanseva.org, www.mannkijeet.com
: kailashmanav

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) 313002
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
• सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. RAJHIN/2014/59353 • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023